

इस अंक में...

- 8 | शिक्षा दे भावनात्मक समृद्धि
- 9 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- फोर्ब्स की सूची में हॉलीवुड की काइली जेनर सबसे युवा अमीर
- प्रधानमंत्री मोदी ने ₹ 20 का सिक्का जारी किया
- भारत स्वर्ण भंडारण में 11वें स्थान पर : रिपोर्ट
- भारत में बेरोजगारी दर 7.2 प्रतिशत पहुँची

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 17वीं लोक सभा चुनाव-2019 के कार्यक्रम
- 8वीं कक्षा पास कर चुके विद्यार्थियों के लिए युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का शुभारंभ
- देश के 5वें साइंस सिटी का शिलान्यास

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- भारत-बांग्लादेश सीमा पर 'स्मार्ट-फेंसिंग' सिस्टम की शुरुआत
- भारत और मालदीव के बीच नया वीजा समझौता लागू
- सऊदी अरब बना दुनिया में सबसे बड़ा हथियार आयातक देश : रिपोर्ट

30 | खेल खिलाड़ी

- खेल मंत्रालय द्वारा कुडो इंटरनेशनल को अस्थायी मान्यता
- सुरेश रैना बने IPL में 5000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज



- सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी, 2019

34 | विज्ञान समाचार

36 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

- 39 | कृषि लेख—भारत में खेती संकट
- 40 | प्रेरक लेख—देश के विकास की रीढ़ होते हैं युवा—स्वामी विवेकानंद
- 41 | करियर लेख—रेलवे भर्ती सेल ग्रुप 'डी' परीक्षा-2019 स्वर्णिम अवसर
- 78 | नेशनल डिफेंस अकादमी
- 79 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 80 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-109 का परिणाम
- 82 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

- 44 | एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2018
- 51 | आर.आर.बी. ग्रुप 'डी' भर्ती परीक्षा, 2018
- 59 | आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2019 हेतु विशेष हल प्रश्न
- 68 | मनोवैज्ञानिक एवं अभिरुचि परीक्षा-असिस्टेंट लोको पायलट (ALP) के लिए

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे—इलेक्ट्रॉनिक, मेकनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सबसेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdggroup.in
कस्टमर केयर: care@pdggroup.in
- दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारो रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2303340
मो- 09334137572
- कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.
15/2, गालिक स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
फोन- 033-25551510
- हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008
- हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्धा बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283
- लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लॉक स्वकायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवईया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118
- नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
मो- 09370877776
- इन्दौर
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088

शिक्षा दे भावनात्मक समृद्धि



—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

अच्छी शिक्षा एक ऐसा श्रेष्ठतम उपहार है जिसे आप स्वयं को या किसी अन्य को दे सकते हैं।

—मेहताब नरसिंहम

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने पुत्र के शिक्षक के नाम एक भावनात्मक पत्र में लिखा था—

“महोदय ! आप मेरे पुत्र को भूगोल, गणित, राजनीति विज्ञान आदि विषयों में निष्णात बनाएं अथवा न बनाएं पर उसे इतना सक्षम अवश्य बनाएं कि वह भविष्य में आने वाले कष्टों व समस्याओं का मुकाबला सहजता से कर सके.”

किसी अन्य दिन भेजे गए आचार्य के नाम लिंकन के पत्रांश कुछ इस तरह के थे—

“उसे इतनी ताकत दीजिए कि वह लकीर का फकीर होकर भीड़ के साथ न चल पड़े. उसे इतना बहादुर बनाइए कि वह आवाज उठा सके, इतना धैर्यवान बनाइए कि बहादुरी दिखा सके. उसे खुद पर भरोसा करना सिखाइए ताकि वह इंसानियत में भरोसा रख सके.”

आज की शिक्षा पद्धति विद्यार्थी को बौद्धिक रूप से समृद्ध तो कर रही है, किन्तु उसका भावनात्मक स्वास्थ्य चरमरा रहा है. इसकी प्रतिकूल परिस्थिति आते ही आज का युवा वर्ग आत्मविश्वास खो बैठता है. वर्तमान शिक्षा पद्धति ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है जहाँ वे दिग्भ्रमित हैं. एक ओर ऊँची प्रतिशतता के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर लेना उनका लक्ष्य है, तो दूसरी ओर एक सम्मानजनक नौकरी पा लेना या व्यवसाय प्रारम्भ कर लेना उनकी पहली प्राथमिकता है. अन्य से स्वयं को श्रेष्ठतर सिद्ध करने की इस अन्धी दौड़ ने शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य—ज्ञानार्जन और सृजनात्मकता को बहुत पीछे छोड़ दिया है. तात्कालिक तौर पर अच्छे अंकों के साथ कोई परीक्षा उत्तीर्ण कर लेना आपको मन

का संतोष दे सकता है, लेकिन यदि इससे आपके भीतर सृजनात्मकता का भाव उत्पन्न नहीं होता अथवा आपका ज्ञान आपको अपने भीतर की शक्ति और बाह्य बाधाओं से लड़ने की आपकी क्षमता पहचानने की शक्ति नहीं देता तब तक आप सही अर्थों में शिक्षित नहीं हैं.

राजीव ने अपने विद्यार्थी जीवन में हमेशा अच्छे अंक प्राप्त किए. उसे अपने कॉलेज का सर्वाधिक प्रतिभावान छात्र की उपाधि से भी नवाजा गया. कॉलेज लाइफ के बेहतरीन पलों व महत्वपूर्ण उपलब्धियों ने उसे जीवन को देखने का एक सुखमय सरल नजरिया भी दे दिया. उसे लगता रहा कि सब कुछ कितना आसान है, कितना सहज है, किन्तु ज्यों ही उसने विश्वविद्यालय से बाहर विश्वरूपी विद्यालय में प्रवेश किया, उसे सड़कों पर पड़ रही तेज धूप का सामना करना पड़ा ? जगह-जगह साक्षात्कार देना, मनमाफिक रोजगार न मिलना, कई स्थानों से निराशा हाथ लगना, घर परिवार वालों की प्रश्नसूचक निगाहें, अपने कैरियर की चिन्ता ने उस युवा देह की कमर तोड़ दी. आज वह उदासी और ग्लानि का मरीज है. उसे स्वयं पर विश्वास नहीं रहा. वह बात-बात में एक ही बात कहता है कि मैं बहुत दुर्भाग्यशाली हूँ. मुझसे कम योग्यवान व्यक्तियों ने नौकरी पा ली, वे कमा रहे हैं. मुझे कुछ नहीं मिलता. मित्रों ने, परिवारजनों ने उसे समझाया भी पर वह स्वयं के नकारात्मक विश्वासों की चहारदीवारी में स्वयं को बाँधकर रख चुका है. उसमें उत्साह का संचार करना लगभग असम्भव-सा ही हो गया है. परेशान व्यक्ति सबके लिए परेशानी का कारण बनता ही है.